गीत-संगीत व लोक कला को जन-जन तक

प्रति अभिप्रेरित होंगे।

प्रौद्योगिकी संस्थान बौन ने मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भारतीय संविधान में निहित वैज्ञानिक चिन्तन का समावेशः कुलपति

आयोजन

- **यूटीयू शुरू करेगा बीटेक सिविल इंजीनियरिंग ओर बीसीए कोर्स**

अमर हिंदुस्तान

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विष्वविद्यालय यूटीयू के परिसर संस्थान आईटी बौन उत्तरकाषी में विज्ञान के क्षेत्र में नोबल पुरूस्कार प्राप्त भारतीय वैज्ञानिक डा सीवी रमन के द्वारा की गई रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष में धूमधाम से राश्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान में छात्रों हेतु क्वीज प्रनोत्तरी प्रतियोगिता व सेमीनार का भी आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो ओ ंकार सिंह ने छात्रों को

अपने सबोधन में कहा कि हम सबको महान वैज्ञानिक डा रमन के पदचिन्हों पर चलकर आगे बढने की ललक अपने अंदर जगानी होगी। कुलपति ने विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि भारतीय संविधान विष्व का अकेला ऐसा संविधान है जिसके अंदर वैज्ञानिक चिन्तन का समावेष किया गया है। देश के नागरिक होने के नाते हम सभी को समाज के उत्थान के लिये अपनी भूमिका का इमानदारी से निर्वहन करना चाहिये। भारत विष्व का एकमात्र ऐसा देष है जिसमें युवा पीढी सर्वाधिक संख्या में है जोकि भारत को विकसित राश्ट्र की श्रेणी में खडा करने में अपने ज्ञान के आधार पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी संस्थान बौन उत्तरकाषी, जोकि सीमावर्ती जनपद के अन्तर्गत आता है, को प्रदेष में भविश्य का उत्कृश्ट इजीनियरिंग संस्थान बनाने का लक्ष्य विष्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया गया है।

सिंह ने कहा कि उत्तरकाषी सहित राज्य के अन्य छात्रो हेतु अगामी सत्र 2024-25 से इस परिसर संस्थान में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग और बीसीए पाठ्यक्रम षुरू किये जाने का निर्णय भी लिया गया है। कार्यक्रम में संस्थान निदेषक डा एच0एस0 भदौरिया, संस्थान के षिक्षक श्री राकेष चन्द्र, डा दीपक नेगी, श्री प्रमोद विजल्वाण, हिमानी काला, श्री नवल किषोर एवं राजकीय इण्टर कॉलेज बौन, राजकीय जूनियर हाई स्कूल एवं प्राइमरी स्कूल बौन के छात्र व षिक्षक उपस्थित रहे।